चाइना डोर का कहर जारी, दो और घायल

- दोनों एमवाय में भर्ती, एक सप्ताह में हुआ तीसरा बड़ा हादसा
- हाथीपाला में युवक का गला कटा, रोबोट चौराहे पर पैदल जा रहा व्यक्ति जख्मी

नव भारत न्यूज

इंदौर. प्रतिबंध के बावजूद शहर में चाइना डोर की बिक्री थम नहीं रही है. रविवार शाम अलग-अलग इलाकों में दो लोगों को इसकी वजह से गंभीर चोटें आईं. पिछले रविवार को एक छात्र की जान चली गई थी, लेकिन हालात अब भी जस के तस हैं. दोनों घायलों का इलाज एमवाय अस्पताल में किया जा रहा है.

एमवाय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार रविवार शाम सेंट्रल कोतवाली क्षेत्र में हाथीपाला के पास 30 वर्षीय रेहान पुत्र मकबूल खान बाइक से घर जा रहे थे. जैसे ही वे आगे बढ़े, अचानक चाइना डोर उनके गले से टकरा गई. धारदार डोर से गहरी चोट आई और तेज रक्तस्राव शुरू हो गया. राहगीरों ने उन्हें संभाला और तुरंत एमवाय अस्पताल पहुंचाया. परिजनों ने पुलिस को बताया कि रेहान लोहे की पेटियां बनाने का काम करता हैं और काम निपटाकर घर आ रहा था तभी हादसा हुआ. इसी तरह दूसरी घटना खजराना क्षेत्र के रोबोट चौराहे पर हुई. देवास जिले के सतवास में रहने वाला 27 वर्षीय जीवन पिता शिव यहां पैदल पैदल जा रहा था इसी दौरान उसके पैर में चाइना डोर उलझ गई. डोर की तेज धार से उसका अंगूठा कट गया और खून बहने लगा. आसपास के लोगों ने उसे पहले रेवा अस्पताल और फिर एमवाय भेजा, जहां उसका इलाज किया गया. इन दोनों घटनाओं ने फिर साबित किया है कि प्रतिबंधित चाइना डोर शहर में खुलेआम बिक रही है और प्रशासन की कार्रवाई पर्याप्त नहीं दिख रही. शहर में लगातार हो रहे हादसे यह सवाल खड़ा कर रहे हैं कि आखिर प्रतिबंध के बाद भी यह जानलेवा डोर बाजार में कैसे पहुंच रही है और पुलिस-प्रशासन इसे रोकने में नाकाम क्यों है, दोनों ही मामलों में पुलिस जांच कर रही है.

दो थाना क्षेत्रों में मांझा बेचने वालों पर शिकंजा

- मल्हारगंज में युवक बोरे में छुपाकर लाते धराया
- एरोड्रम में दुकान से बिक्री करते पकड़ा आरोपी को

इंदौर. शहर में प्रतिबंधित चाइनीज मांझा बेचने वालों पर पुलिस ने देर रात सख्त कार्रवाई की. मल्हारगंज और एरोड्रम थाना क्षेत्रों में दो अलग-अलग मामलों में पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत में लिया और लगभग 30 से अधिक रोल चाइनीज मांझा बरामद किया.

मल्हारगंज टीआई वेदेंद्र कुशवाह ने बताया कि देर रात सूचना मिली थी कि एक युवक चाइनीज मांझा सप्लाई करने आ रहा है. पुलिस ने घेराबंदी कर आदर्श इंदिरा नगर निवासी युवराज पुत्र हेमंत ऐले को पकड़ लिया. जांच में उसके बोरे से करीब 30 रोल चाइनीज मांझा मिला. आरोपी से पूछताछ में यह जानकारी जुटाई जा रही है कि वह यह प्रतिबंधित मांझा कहां से लाता था और किसे बेचता था. इधर एरोड्रम पुलिस ने लोकनायक नगर निवासी पवन पुत्र बाबूलाल चौरसिया को पकड़ा. वह अपनी दुकान से चाइनीज मांझा बेच रहा था. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि दोनों मामलों की कड़ियां जोड़कर यह भी पता लगाया जा रहा है कि शहर में प्रतिबंधित मांझे की सप्लाई किस नेटवर्क के जरिए हो रही है.

उत्तरी राज्यों के गैंगस्टरों का इंदौर कनेक्शन उजागर

- इंस्टाग्राम-व्हाट्सऐप से करते हैं सौदा
- बस-रेल के जरिए आती है देसी पिस्टलों की खेप

नव भारत न्यूज

इंदौर. राऊ पुलिस द्वारा दिल्ली और हरियाणा के तीन बदमाशों की गिरफ्तारी के बाद यह खुलासा हुआ है कि पंजाब, हरियाणा और दिल्ली के गैंगस्टर बड़ी मात्रा में देसी पिस्टल की सप्लाई के लिए मालवा-निमाड़ के सिकलीगरों पर निर्भर हैं. शनिवार को पकड़े गए आरोपी सुमित बरनाला, विक्रम (दोनों हरियाणा) और अमन सेरावत (दिल्ली) से चार देसी पिस्टल और दो मैगजीन जब्त हुईं. पुलिस के अनुसार, तीनों ने हथियारों का सौदा इंस्टाग्राम के जरिए किया था.

हथियारों की डिलीवरी कभी बदमाशों को इंदौर बुलाकर दी जाती है, तो कभी आपूर्तिकर्ता खुद पहुंच जाते हैं. इंदौर शहर उज्जैन और खरगोन की त्रिकोणीय लोकेशन इस नेटवर्क का प्रमुख क्रॉसिंग पॉइंट है. कई बार यही वजह बदमाशों की गिरफ्तारी का कारण बन जाती है. पकड़े गए आरोपी भी ट्रेन से उज्जैन पहुंचे और वहां से बस के जरिये इंदौर होकर खरगोन गए थे. लौटते समय पुलिस ने उन्हें दबोच लिया था. इस साल में क्राइम ब्रांच और अलग-अलग थानों की पुलिस ने हरियाणा, पंजाब और दिल्ली के बदमाशों को हथियारों की बड़ी खेप के साथ पकड़ा है. कई आरोपी निजी वाहन से आते हुए पकड़े गए, जबकि कुछ रेलवे स्टेशन के आसपास स्थित लॉज में ठहरते समय दबोचे गए.

मामले में पुलिस अधिकारियों का कहना है कि बड़े गैंगस्टर खुद विदेशी हथियारों का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन अपने गुर्गों को सस्ते और आसानी से उपलब्ध सिकलीगरों की पिस्टल उपलब्ध कराते हैं.

खेतों में अस्थायी फैक्ट्री बनवा रहे-पुलिस सूत्रों का कहना है कि पूछताछ में यह भी सामने आया कि लगातार गिरफ्तारी के दबाव के कारण अब कुछ गैंगस्टर सिकलीगरों को पंजाब और हरियाणा में ही बुलाकर खेतों में अस्थायी फैक्ट्री बनवा रहे हैं. यहां सिकलीगर महीनों तक रुककर हथियार तैयार करते हैं, जिससे परिवहन के दौरान पकड़े जाने का खतरा कम हो जाता है. पुलिस को ऐसे चार-पांच सिकलीगरों की जानकारी मिली है, जिन पर जल्द कार्रवाई की संभावना है.

ऑनलाइन सौदा, ऑफलाइन डिलीवरी

पिछले कुछ वर्षों में खरगोन, धार और बड़वानी के कई सिकलीगर गिरोह हाई-टेक हो चुके हैं. ये हथियारों के फोटो पहले सोशल मीडिया पर भेजते हैं, फिर वहीं सौदा तय करते हैं. रकम उनके परिचितों के बैंक खातों में ऑनलाइन जमा करवाई जाती है और बातचीत में गुजरात की सिम का उपयोग किया जाता है ताकि ट्रेसिंग मुश्किल हो.

डिजिटल अरेस्ट का शिकार बना कंपनी कर्मचारी, 10 दिन में 27 लाख की ठगी

- साइबर ठगों ने खुद को सीबीआई अधिकारी बताकर डराया
- एफडी, म्यूचुअल फंड और गोल्ड लोन तुड़वाकर करवाई रकम ट्रांसफर

नव भारत न्यूज

इंदौर. सांवेर रोड स्थित एक निजी कंपनी के क्लर्क के साथ 10 दिन तक मानसिक बंधक बनाकर 27 लाख रुपए की ऑनलाइन ठगी किए जाने का गंभीर मामला सामने आया है. साइबर ठगों ने खुद को सीबीआई अधिकारी बताकर कॉल किया और फर्जी केस में गिरफ्तार करने की धमकी देकर युवक को पूरी तरह अपने नियंत्रण में कर लिया. क्राइम ब्रांच ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

घटना 20 नवंबर की शाम पीड़ित को व्हाट्सऐप कॉल आया. सामने वाले ने खुद को सीबीआई का अधिकारी बताते हुए कहा कि उसके आधार कार्ड और बैंक खाते का इस्तेमाल मनी लॉन्ड्रिंग में हुआ है, इसलिए उसे गिरफ्तार किया जा सकता है. आरोपी ने भरोसे के लिए फर्जी आईडी भी भेजी और कहा कि उसकी जांच शुरू हो चुकी है, इसलिए वह किसी से बात न करे यही डिजिटल अरेस्ट की शुरुआत थी. जब ठग संपर्क से गायब हुए तो युवक को शक हुआ और उसने क्राइम ब्रांच में शिकायत दर्ज कराई. पुलिस ने प्रकरण में धोखाधड़ी और आईटी एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया है. साइबर टीम कॉल के स्रोत, खातों और लेन-देन की जांच कर रही है. पुलिस ने लोगों को आगाह किया है कि कोई भी केंद्रीय एजेंसी सामान्य कॉल पर न तो पूछताछ करती है और न ही बैंक विवरण मांगती है. ऐसे कॉल आते ही तुरंत 1930 पर शिकायत करें.

एफडी तुड़वाई, म्यूचुअल फंड रिडीम कराए, गोल्ड लोन भी लिया

धमकियों से डरकर युवक पूरी तरह ठगों के निर्देशों पर चलने लगा. अगले 10 दिनों तक लगातार कॉल पर रखकर उससे बैंक खाते की डिटेल, आधार और अन्य दस्तावेज, मोबाइल की स्क्रीन शेयरिंग, सभी ले ली गईं. इसके बाद उससे बैंक में जमा एफडी भी तुड़वाई इसके बाद भी म्यूचुअल फंड रिडीम करवाए, गोल्ड लोन लेकर भी रकम जुटवाई, और अलग-अलग खातों में 27 लाख रुपए ट्रांसफर करवा लिए.

स्क्रैप गोदाम और रेलवे पटरी के पास लगी आग

इंदौर. जवाहर टेकरी इलाके में आज सुबह स्क्रैप गोदाम में आग लगने से भारी नुकसान हुआ. मौके पर फायर ब्रिगेड की टीम तुरंत पहुंची और आग बुझाने में जुट गई. आग फैलने से आसपास के इलाके में भी खतरा पैदा हो गया, इसी तरह शास्त्री ब्रिज के नीचे रेलवे पटरी के पास कचरे में भी आग लग गई थी. फायर ब्रिगेड ने ब्रिज के ऊपर से राहत कार्य कर आग को फैलने से रोका. अधिकारियों के अनुसार, अगर टीम समय पर नहीं पहुंचती तो आग रेलवे पटरी तक फैल सकती थी. फिलहाल दोनों ही जगह किसी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई है.

एक नजर में

नवविवाहिता की मौत में पति, सास व ननद आरोपी

इंदौर. राजेंद्र नगर क्षेत्र में नवविवाहिता अलका वोकडे की जलकर मौत के मामले में करीब एक महीने बाद पुलिस ने उसके पति अजय, सास फूलवती और ननंद सीमा को आरोपी बना दिया है. अलका 8 अक्टूबर को जलने के बाद चोइथराम अस्पताल में भर्ती हुई थी और 17 नवंबर को उसकी मौत हो गई थी. एसीपी निधि सक्सेना ने बताया कि जांच में सामने आया कि अलका को दहेज को लेकर ताने दिए जाते थे और मानसिक प्रताड़ना होती थी. घटना के दिन वह बहन के घर देवास जाना चाहती थी, जिस पर विवाद हुआ और बाद में आग लगने की घटना हुई. ससुराल पक्ष ने शुरुआत में करंट लगने से जलने की बात बताई थी, लेकिन मायके वालों के पास मौजूद वीडियो बयान में अलका ने सास और ननंद पर गंभीर आरोप लगाए थे. इसी आधार पर तीनों को आरोपी बनाया.

नाबालिग की मौत : सेंटर संचालक पर केस दर्ज

इंदौर. हीरानगर इलाके में दीपावली से एक दिन पहले कार वॉशिंग सेंटर पर काम कर रहे नाबालिग की करंट लगने से मौत हो गई थी. जांच पूरी होने के बाद पुलिस ने सर्विस सेंटर संचालक के खिलाफ लापरवाही से मौत का प्रकरण दर्ज कर लिया है. हीरानगर पुलिस ने 17 वर्षीय भोला पिता लखन भूरियाले, निवासी नंदानगर की मौत के मामले में यूएस कार सर्विस सेंटर के संचालक उत्तम ठाकुर के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है. घटना दीपावली से एक दिन पहले हुई थी, जब भोला काम के लिए सेंटर पहुंचा था. शाम के दौरान वह अचानक गिर पड़ा. साथियों ने उसे एमवाय अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. घटना के बाद पुलिस ने इसे संदिग्ध मानकर जांच शुरू की थी. सेंटर में लगे सीसीटीवी फुटेज में भोला को पानी की पाइप से कार धोते समय अचानक गिरते हुए देखा गया था. प्रारंभिक जांच में मौत के कारण को लेकर शंका बनी हुई थी पुलिस को हार्ट अटैक या गिरते समय सिर में चोट लगने की आशंका थी. लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट में स्पष्ट हुआ कि उसकी मौत करंट लगने से हुई है. रिपोर्ट आने के बाद सेंटर संचालक पर लापरवाही का केस दर्ज किया. कर्मचारी राहुल ने बताया कि भोला उसी दिन पहली बार काम पर आया था. आवश्यकता पड़ने पर उसे बुलाया गया था. परिवार में उसका एक बड़ा भाई है, जो रानीपुरा में दुकान पर काम करता है. पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि सेंटर में सुरक्षा मानकों का पालन किया गया था या नहीं और करंट लगने का स्रोत क्या था.

शादी से पहले युवक हुआ लापता

इंदौर. सांवेर में रहने वाला 28 वर्षीय युवक महावीर सिंह चुंडावत शादी से ठीक 10 दिन पहले रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो. परिवार ने पुलिस को बताया कि वह 30 नवंबर की रात बैग लेकर घर से निकला था और राजस्थान जाने की बात कहकर निकला था, लेकिन वहां पहुंचा ही नहीं. भवानी नगर, सांवेर निवासी महावीर सिंह चुंडावत इंदौर की साईं टूल्स कंपनी में कार्यरत था. परिवार ने पुलिस को बताया कि 11 दिसंबर को उसकी शादी प्रस्तावित थी. 30 नवंबर की रात वह अचानक बैग लेकर घर से निकला और परिवार को बताया कि वह राजस्थान जा रहा है. इसके बाद उसका मोबाइल स्विच ऑफ हो गया और दो दिन तक कोई संपर्क नहीं हुआ. चिंतित परिजन 2 दिसंबर को सांवेर पहुंचे और पुलिस में गुमशुदगी दर्ज कराई. परिवार का आरोप है कि शुरुआती दो दिनों तक पुलिस की ओर से कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया. इसके बाद परिजनों ने खुद ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे चेक करवाए, जिनमें महावीर रात में पैदल बैग लेकर घर से निकलते नजर आया. इसके बाद से उसका कोई पता नहीं चला है. परिजन अस्पतालों, रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड तक तलाश कर चुके हैं, लेकिन युवक का कोई सुराग हाथ नहीं लगा. पुलिस द्वारा निकाली गई कॉल डिटेल में भी पिछले एक महीने में सिर्फ परिवार, दोस्तों और मंगेतर से हुई सामान्य बातचीत ही मिली है. किसी विवाद या तनाव का संकेत नहीं मिला. परिजनों ने मामले को उच्च अधिकारियों के संज्ञान में भी पहुंचाया, जिसके बाद अधिकारियों ने सांवेर पुलिस को तुरंत रिपोर्ट देने और खोज अभियान तेज करने के निर्देश जारी किए हैं.

ऑटो से टक्कर में मजदूर की मौत, एक घायल

- सुपर कॉरिडोर पर हुआ हादसा, ऑटो चालक फरार
- बाइक की सर्विस कराकर लौट रहे थे दोनों

नव भारत न्यूज

इंदौर. सुपर कॉरिडोर पर एक पैसेंजर ऑटो रिक्शा ने बाइक को टक्कर मार दी, जिसमें बाइक सवार मजदूर संजय पिता विक्रम निवासी दिलीप नगर की मौत हो गई. उसका साथी भूरा, निवासी उसी क्षेत्र का, गंभीर रूप से घायल हुआ है. दोनों मजदूर अपनी बाइक की सर्विस कराकर वापस लौट रहे थे. दिलीप नगर के पास पहुंचे ही थे कि सामने से आए पैसेंजर ऑटो रिक्शा ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी और चालक मौके से भाग निकला. दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां संजय की मौत हो गई. घायल भूरा का इलाज जारी है. पुलिस फरार ऑटो चालक की तलाश में जुटी है.

पाकिस्तान की निकिता ने हाईकोर्ट में लगाई गुहार

- पति को भारत में रहने न दें वापस भेजा जाए
- करांची में बैठी पत्नी बोली शादी करके भारत आया
- अफेयर और दूसरी शादी की तैयारी में छोड़ दिया

इंदौर. करांची की रहने वाली निकिता नागदेव ने अपने पति विक्रम नागदेव को पाकिस्तान वापस भेजने की मांग को लेकर हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. निकिता की ओर से एडवोकेट दिनेश रावत ने याचिका दायर कर बताया कि शादी के बाद विक्रम भारत में बस गया और अब दूसरी शादी की तैयारी कर रहा है, जबकि निकिता पाकिस्तान में रहकर इंसाफ की गुहार लगा रही हैं.

विक्रम नागदेव शहर में ही रह कर सियागंज में सूखे मेवे का व्यवसाय करता है. मामले की जानकारी मिलने के बाद सिंधी समाज के पंच किशोर कोडवानी ने भी परिवारिक स्तर पर समझाइश की, लेकिन विवाद सुलझ नहीं सका. कोडवानी ने प्रशासन को भी पत्र लिखा, पर कार्रवाई नहीं हुई. निकिता का वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर वायरल है, जिसमें वह बताती हैं कि 26 जनवरी 2020 को कराची में हिंदू रीति से शादी हुई थी. एक माह बाद विक्रम उन्हें भारत लेकर आया, लेकिन वीजा समस्या का बहाना बनाकर 9 जुलाई 2020 को अटारी बॉर्डर से वापस कराची भेज दिया. निकिता का कहना है कि इसके बाद पति ने दोबारा बुलाने की कोई कोशिश नहीं की, उल्टा दिल्ली निवासी शिवांगी ढींगरा से सगाई कर ली है और मार्च 2026 में शादी की तैयारी चल रही है. निकिता का आरोप है कि भारत आने के बाद ससुराल पक्ष का व्यवहार जल्द ही बदल गया और पता चला कि विक्रम का उन्हीं के एक रिश्तेदार से अफेयर है. जब बात ससुर को बताई तो उन्होंने इसे सामान्य बताकर टाल दिया. कोरोना काल में उन्हें मजबूरी में पाकिस्तान भेज दिया और आज तक वापस नहीं बुलाया.

प्रधानमंत्री मोदी से की अपील

निकिता ने प्रधानमंत्री से भी अपील की है कि चूंकि विक्रम भारत में अवैध रूप से रह रहा है, इसलिए उसे पाकिस्तान भेजा जाए. इससे पहले 15 जनवरी 2025 को निकिता ने इंदौर स्थित सिंधी पंच मध्यस्थता एवं विधिक परामर्श केंद्र में वॉट्सऐप के माध्यम से शिकायत भेजी थी, लेकिन उन्हें कहा गया कि सुनवाई के लिए इंदौर आना होगा. निकिता ने कहा कि वह पाकिस्तान से ही न्याय चाहती हैं.

कम में खरीदकर बेचता था ज्यादा दाम में

- 11.90 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में नशे के सौदागरों पर कार्रवाई के दौरान क्राइम ब्रांच ने एक युवक को एमडी ड्रग्स के साथ पकड़ा है. आरोपी सस्ते में नशा खरीदकर इसे शहर में महंगे दामों पर सप्लाई करता था, पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है.

अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर सख्ती के निर्देशों के बाद क्राइम ब्रांच लगातार कार्रवाई कर रही है. टीम ने दलाल बाग मैदान के पास संदिग्ध गतिविधि में खड़े एक युवक को पकड़ा. पुलिस को देखकर घबराए युवक को रोककर पूछताछ की गई, जिसने अपना नाम समीर हुसैन निवासी बड़ा गणपति बताया. जब क्राइम ब्रांच ने उसकी तलाश ली तो उसके पास से 11.90 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद की गई, जिसकी अंतरराष्ट्रीय कीमत करीब 1.20 लाख रुपए बताई जा रही है. क्राइम ब्रांच ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरु की है.

ई-रिक्शा चलाने का करता है काम

प्रारंभिक पूछताछ में समीर ने स्वीकार किया कि वह एमडी ड्रग्स कम कीमत पर खरीदकर नशे के आदी लोगों को अधिक दामों पर बेचता था. आरोपी फिलहाल दिहाड़ी पर ई-रिक्शा चलाने का काम करता है और उसकी पढ़ाई 10वीं तक ही हुई है. पुलिस उससे सप्लाई नेटवर्क और अन्य शामिल लोगों के बारे में पूछताछ कर रही है. धमकियों से डरकर युवक पूरी तरह ठगों के निर्देशों पर चलने लगा. अगले 10 दिनों तक लगातार कॉल पर रखकर उससे बैंक खाते की डिटेल, आधार और अन्य दस्तावेज, मोबाइल की स्क्रीन शेयरिंग, सभी ले ली गईं. इसके बाद उससे बैंक में जमा एफडी भी तुड़वाई इसके बाद भी म्यूचुअल फंड रिडीम करवाए, गोल्ड लोन लेकर भी रकम जुटवाई, और अलग-अलग खातों में 27 लाख रुपए ट्रांसफर करवा लिए.

यू-टर्न पर तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से व्यापारी की मौत

- हनुमान मंदिर दर्शन कर लौटते समय जामनिया रिसोर्ट के पास हुआ हादसा, साथी घायल

नव भारत न्यूज

इंदौर. खुड़ैल क्षेत्र में हुए दर्दनाक सड़क हादसे में कंस्ट्रक्शन व्यवसाय से जुड़े 36 वर्षीय जितेंद्र राजदेव वर्मा की मौत हो गई. वे अपने दोस्त रोहित वर्मा के साथ हनुमान मंदिर दर्शन कर लौट रहे थे, तभी सामने से आई तेज रफ्तार बाइक ने उनकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी. हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हुए और रात में एमवाय अस्पताल में उपचार के दौरान जितेंद्र ने दम तोड़ दिया, जबकि रोहित का इलाज किया जा रहा है.

दुर्घटना जामनिया रिसोर्ट, देवगुराडिया के पास हुई. जितेंद्र निवासी सांईबाबा नगर और रोहित निवासी शांतिनाथपुरी बाइक से इंदौर की ओर आ रहे थे. हादसे के बाद एमआईसी मेंबर मनीष शर्मा उन्हें नजदीकी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां प्रारंभिक इलाज के बाद दोनों को एमवाय रेफर किया, डॉक्टरों ने बताया कि जितेंद्र को सिर व सीने में गंभीर चोटें आई थीं, वहीं परिवार के लोगों का कहना है कि जितेंद्र कंस्ट्रक्शन कारोबार से जुड़े थे. उनके परिवार में पत्नी और सात वर्षीय बेटा है. माता-पिता बिहार में रहते हैं. करीब एक माह पहले ही उनके छोटे भाई, जो आर्मी में पदस्थ थे, बीमारी के चलते दिल्ली के सैनिक अस्पताल में निधन हो गया था. तीन भाइयों में जितेंद्र सबसे बड़े थे.

एक नजर में — मामला प्रिंस यशवंत रोड क्षेत्र का

लोगों को सता रही व्यापार और मकान की चिंता

इंदौर. शहर में विकास के लिए हर तरफ सड़कों का निर्माण किया जा रहा है यहां सड़कें भविष्य के लिए सुविधाजनक तो हो सकती है लेकिन इस कार्य के लिए वर्तमान में लोगों के घर, मकान, दुकान, व्यापार की आहुति दी जा रही है.

स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत मार्ग निर्माण का मामला प्रिंस यशवंत रोड से सामने आया है. बताया जाता है कि सरवटे बस स्टैंड से गंगवाल बस स्टैंड तक बनने वाली सड़क का कार्य होना है. इसके लिए गंगावाल से नया पीठा मच्छी बाज़ार तक जूनी इंदौर मुक्तिधाम से हाथीपाला तक कार्य किया गया. वर्तमान में चंद्रभागा मार्ग पर कार्य चल रहा है जहां कई भवन दुकानों को हटाया गया. अब नगर निगम ने प्रिंस यशवंत रोड़ के दुकानों और मकान मालिकों को नोटिस जारी किए है, इसी के साथ यह भी कहा जा रहा है कि मार्ग अस्सी फीट चौड़ा किया जाएगा. जबकि यह मार्ग वर्तमान में साठ फीट है. वर्षों पुराने इन मकानों को हटाने के बाद कई लोग बेघर होने वाले है और जो अपना जीवन एक ही दुकान में खपा चुके है अब वह भी बेरोज़गारी की मार विराध करते हुए व्यापारी और निवासियों ने अपने रोज़गार और घरों को बचाने के लिए जगह-जगह बैनर लगाए हुए हैं. अब सवाल यह उठता है कि वर्षों पुराने मास्टर प्लान यहां निर्माण कैसे हुए? साथ ही राजस्व निभाग इनसे वसूली क्यों करते आ रहा है. वहीं यहां पर रजिस्ट्रियां भी हुई है और लोग हर तरह का कर चुका रहे हैं.

इनका कहना है...

स्मार्ट सिटी के तहत सड़क चौड़ी करने की बात करते हैं. सरकार को महानगर जैसे मुंबई-दिल्ली पर भी नजर डालनी चाहिए. वहां पुराने क्षेत्रों को ध्वस्त किए बगैर नए क्षेत्र विकसित किए गए हैं.
- देवराज खन्ना, रहवासी

चौबीस घंटे कैमरे लगा कर वॉच किया जाए. यहां एक पल के लिए भी जाम नहीं लगता. चंद्रभागा से मोती तबेला से मच्छी बाज़ार मिला दिया जाए और प्रिंस यशवंत रोड़ को वन वे कर दिया जाए.
- प्रदीप पपनानी, व्यापारी

सरकार बताए क्या हम चौदह प्रकार का टैक्स नहीं भरते. पांच तरह का किराया नहीं देते. फिर भी आप एक सड़क के लिए कई व्यापारी और परिवारों को क्या भूखा मारना चाहते हैं.
- राजेश नंदवानी, व्यापारी